महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त होने की अति आवश्यकता : प्रो. अनुपमा सक्सेना

जनबिन्दु,11 मार्च

अमरकंटक। विश्व महिला दिवस के उपलक्ष्य में 7 मार्च को "इंडियन रिसर्च स्कॉलर्स एसोसिएशन" में शाम 5 बजे आजादी के 75 वर्षों में महिलाओं की सुरक्षा और आत्मनिर्भरता विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया। यह एक ऐसा एसोसिएशन है जिसमें संपूर्ण भारत के सामाजिक विज्ञान, साहित्य भाषा एवं आर्ट्स से संबंधित रिसर्च स्कॉलर उपस्थित रहें। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथिः प्रो. अनुपमा सक्सेना, विभागाध्यक्ष, राजनीति विज्ञान विभाग, गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय बिलासपुर, उपस्थित रहे जिसमें उन्होंने कहा कि प्रत्येक समुदाय और समूहों की महिलाओं की समस्याएं अलग-अलग हैं उन्हें एक ही इंडिकेटर के पैमाने से नहीं मापा जा सकता है। आज जंगल और जल की समस्याएं और अधिक बढ़ती जा रही हैं। जहां पहले ग्रामीण क्षेत्र की घरेलू महिलाओं को लकड़ियां और पानी नजदीक से मिल जाता था आज वह अत्यंत उनसे दूर होता जा रहा है। ग्रामीण महिलाओं की अर्थव्यवस्था के जो भी आधार थे वह भी विकास की इस प्रक्रिया में दूर होते जा रहे हैं।

विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित प्रो.अंजली बाजपेयी, शिक्षा विभाग बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 से जोड़ते हुए समस्या और शिक्षा के क्षेत्र में समाधान के विभिन्न आयामों को स्पष्ट किया। उन्होंने कहा कि आज शिक्षा और शोध के क्षेत्र में महिलाएं अग्रसर हो रही हैं परंतु यह संख्या अभी कम है धीरे-धीरे इस क्षेत्र में प्रगति करने की आवश्यकता है। मुख्य वक्ताः डॉ. चित्रा मालौ, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, क्षेत्रीय केंद्र कोलकाता, ने महिला दिवस के ऐतिहासिक पृष्ठभूमि को स्पष्ट करते हुए संयुक्त राष्ट्र संघ, यूनिसेफ और विश्व बैंक के प्रस्ताव और आंकड़ों को प्रस्तुत किया। उन्होंने महिलाओं के प्रति घरेलू हिंसा और अन्य तरह के अपराधों के आंकड़े प्रस्तुत करते हुए कहा कि आज जागरूकता के साथ उन्हें सशक्त बनाए जाने की भी आवश्यकता है।

मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. मीरा भुटिया, माइक्रोबायोलॉजी केंद्रीय विश्वविद्यालय सिक्किम से उपस्थित रहीं। उन्होंने तकनीकी और व्यवहार में महिलाओं की भागीदारी तथा विज्ञान के क्षेत्र में उनकी प्रगतिशीलता को स्पष्ट किया साथ ही उन्होंने कहा कि आज महिलाओं को विज्ञान के क्षेत्र में अधिक उन्नति करने की आवश्यकता है। यदि तकनीकी और विज्ञान के क्षेत्र में महिलाओं का संकर्षण होता है तो यह उनके सशक्त होने की अत्यंत आवश्यक पहल होगी। इस प्रकार सभी वक्ताओं ने महिलाओं के संघर्ष, अधिकार तथा उनके योगदानों पर अपने विचार रखें।अतीत,वर्तमान तथा भविष्य में महिलाओं की स्थिति पर अपनी बात रखी। इस कार्यक्रम में स्वागत व्यक्तव्यः विकास कुमार, शोधार्थी, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक ने दिया। उन्होंने इस एसोसिएशन के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह एक ऐसा एसोसिएशन है जो शोध और ऐसे व्याख्यान नियमित संचालित करता रहता है। संचालनः नैना प्रसाद, शोधार्थी महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा सह संचालनः मेघा कुंवर, केंद्रीय विश्वविद्यालय गढ़वाल धन्यवाद ज्ञापनः अश्विनी कुमार, शोधार्थी अर्थशास्त्र विभाग द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में एसोसिएशन के सभी सदस्यों के साथ अन्य विश्वविद्यालयों के शोधार्थी भी उपस्थित रहे। जिनमें क्षिप्रा, गणेशी लाल, प्रियंका, प्रदीप, कृतिवास दत्ता, विजय शंकर चौधरी मोतिहारी विश्वविद्यालय, स्वाती सिंह बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, काशी (उन्होंने मुख्य अतिथि का परिचय भी दिया) दीपक शेर सिंह, राजेश रमन, दीपक कश्यप एवं बेहरा जी आदि सभी उपस्थित रहे। इसके साथ अन्य सदस्य सदस्य क, शोधार्थी एवं अन्य जगहों से विद्यार्थी उपस्थित थे। इस व्याख्यान का आयोजन गूगल मीट के माध्यम से किया गया। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों ने अपने प्रश्न पूछे एवं उपस्थित वक्ताओं ने उनके उत्तर भी दिए।

नगर में कांग्रेसियों ने

महिलाएं आत्मनिर्भर व स्वाबलम्बी

निः शुल्क स्वास्थ्य